CREDIT ALLOCATION AND MARKS DISTRIBUTION FOR THE FYUGP IN HINDI(HONS)
(SEM VII & VIII)

Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	Total Marks
VII	MAJ(TH)	UHINMAJ47017	हिंदी आलोचना HINDI AALOCHANA	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ47018	भारतीय साहित्य BHARTIYA SAHITYA	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ47019	इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य IKKISVEEN SADI KA HINDI SAHITYA	4	75
	MIN(TH)	UHINMIN40004	कथेतर साहित्य KATHETAR SAHITYA	4	75
VIII	MAJ(TH)	UHINMAJ48020	शोध प्रविधि RESEARCH METHODOLOGY	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ48021	FIELD WORK/ TERM PAPER	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ48022	GROUP DISCUSSION/SEMINAR PRESENTATION/ GRAND VIVA	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ48023	हिंदी भाषा-साहित्य : अध्ययन एवं अनुप्रयोग HINDI BHASHA SAHITYA: ADHYAYAN EWAM ANUPRAYOG	4	75
	MIN(TH)	UHINMIN40004	कथेतर साहित्य KATHETAR SAHITYA	4	75

Question Pattern for Major & Minor Course (Theoretical): 60 Marks

Sl. No.	Questions to be answered	Out of	Marks of each question	Total Marks
1.	8	8	1	1×8=8
2.	5	8	2	2×5=10
3.	3	5	4	4×3=12
4.	3	5	10	10×3=30

Question Pattern for Major-23 only (Theoretical): 60 Marks

Sl. No.	Questions to be answered	Out of	Marks of each question	Total Marks
1.	20	20	1	1×20=20
2.	8	12	2	2×8=16
3	6	10	4	4×6=24

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER
NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

FYUGP WITH HONOURS

सप्तम सत्र
SEMESTER-VII

MAJOR-17
हिंदी आलोचना
HINDI ALOCHANA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ (Theory)	UHINMAJ47017	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी आलोचना की परंपरा, विकास और स्वरूप को समझना।
- आलोचना सिद्धांतों का अध्ययन करना।
- प्रमुख हिंदी आलोचकों की दृष्टि और पद्धति का विश्लेषण करना।
- आधुनिक एवं समकालीन आलोचना-विमर्शों को समझना।
- स्वतंत्र आलोचनात्मक लेखन और शोध क्षमता विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिंदी आलोचना की अवधारणा, स्वरूप एवं विकास-क्रम को समझ सकेंगे। • हिंदी आलोचना के प्रमुख सिद्धांतों एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। • प्रमुख हिंदी आलोचकों की आलोचना-दृष्टि एवं योगदान से परिचित होंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी अध्यापन, शोध, संपादन, समीक्षा-लेखन तथा साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में आवश्यक आलोचनात्मक दक्षता अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई - 1 आलोचना की अवधारणा और स्वरूप **(15 घंटे)**

- आलोचना : अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं प्रयोजन
- साहित्य और आलोचना का अंतर्संबंध
- शोध, आलोचना एवं समीक्षा में अंतर

इकाई - 2 हिंदी आलोचना का विकास-क्रम **(15 घंटे)**

- शुक्ल-पूर्व हिंदी आलोचना
- शुक्लयुगीन हिंदी आलोचना
- शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना

इकाई - 3 प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना-दृष्टि **(15 घंटे)**

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- डॉ. नामवर सिंह

इकाई - 4 हिंदी आलोचना : सिद्धांत एवं प्रवृत्तियाँ **(15 घंटे)**

- मार्क्सवादी आलोचना
- मनोविश्लेषणवादी आलोचना
- उत्तर-आधुनिक आलोचना

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी आलोचना का विकास, नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3. आलोचक और आलोचना, कमलाप्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला
4. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. आलोचक की सामाजिकता, मैनेजर पाण्डे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आलोचना के प्रगतिशील सरोकार, शिवकुमार मिश्र, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
7. आलोचना के पूर्व आयाम, मोहन कृष्ण बोहरा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
8. आलोचना के मान, शिवदानसिंह चौहान, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आलोचना : प्रतिवाद की संस्कृति, मधुरेश, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिंदी आलोचना : प्रवृत्तियाँ और आधारभूमि, रामदरश मिश्र, नार्थ इण्डिया पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

MAJOR-18

भारतीय साहित्य
BHARATIYA SAHITYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ47018	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भारतीयता की अवधारणा, भारतीय साहित्य की अवधारणा की समझ को विकसित कराना।
- अलग-अलग भारतीय भाषाओं में रचे जा रहे साहित्य के माध्यम से देश की सांस्कृतिक परंपराएं, रीति-रिवाज, धार्मिक मान्यताएँ और जीवन-दर्शन से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।
- विभिन्न भारतीय साहित्य में रचे जा रहे साहित्य के साथ हिंदी साहित्य में रचे जा रहे साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए हिंदी एवं अन्य भाषाओं के बीच संबंध सूत्र स्थापित करना।
- इस पत्र का प्रमुख उद्देश्य हिंदी से इतर भारत की प्रमुख भाषाओं में रचे जा रहे साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• भारतीयता एवं भारतीय साहित्य की अवधारणा समझ पाएंगे। • भारतीय साहित्य के साथ-साथ हिंदी साहित्य की रचनाओं की तुलना कर पाएंगे। • भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक समझ विकसित कर पाएंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• पिछले सत्रों में कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध इत्यादि विविध विधाओं की संरचनागत अध्ययन के कौशल का उपयोग करते हुए भारतीय साहित्य की विविध विधाओं के चिंतन, मनन और विश्लेषण की क्षमता का विकास कर पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई–1 **(15 घंटे)**

- भारतीय साहित्य : अवधारणा एवं विशेषताएं
- **कविता-**
  - **पाश-** सबसे खतरनाक, हम लड़ेंगे साथी (पंजाबी)
  - **सीताकांत महापात्र-** वर्षा की सुबह, मृत्यु (ओड़िया)

इकाई - 2 **(15 घंटे)**

- **निबंध-**
  - **रवीन्द्र नाथ टैगोर-** काव्य की उपेक्षिता (बांग्ला)
- **कहानी-**
  - **कर्ण थामी-** बादलों को तो हटना ही है (नेपाली)

इकाई - 3 **(15 घंटे)**

- **उपन्यास-**
  - **तकषी शिवशंकर पिल्लै-** मछुआरे (मलयालम्), अनु. भारती विद्यार्थी

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **नाटक**
  - **विजय तेंदुलकर-** घासीराम कोतवाल (मराठी), अनु. वसंत देव

मूल्यांकन / परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)
घटक	मध्यावधि परीक्षा	सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/परियोजना	उपस्थिति	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. सम्पूर्ण कविताएं पाश, आधार प्रकाशन, पंचकुला
2. वर्षा की सुबह, सीताकांत महापात्र, राजकमल प्रकाशन
3. विचार का आईना : रवीन्द्रनाथ टैगोर, वैभव सिंह, राजकमल प्रकाशन
4. मछुआरे, तकषी शिवशंकर पिल्लै ,अनु. भारती विद्यार्थी, साहित्य अकादमी
5. घासीराम कोतवाल (मराठी), विजय तेंदुलकर, अनु. वसंत देव, राजकमल प्रकाशन
6. भारतीय साहित्य की भूमिका, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भारतीय साहित्य, डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
8. भारतीय साहित्य, डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. भारतीय साहित्य : अध्ययन की नई दिशाएँ, डॉ. प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
10. भारतीय साहित्य, सं- डॉ. मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भारतीय साहित्य: स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ, के. सच्चिदानन्द, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. भारतीय साहित्य, लक्ष्मीकांत पांडे एवं प्रमिला अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
13. भारतीय साहित्य की पहचान, सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. आधुनिक भारतीय साहित्य, सं- डॉ. राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
15. भारतीय साहित्य की रूपरेखा, डॉ. भोलाशंकर व्यास, चौखम्भा विद्याभवन प्रकाशन, वाराणसी
16. तुलनात्मक साहित्य: भारतीय परिप्रेक्ष्य, इंद्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
17. हिंदी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
18. तुलनात्मक साहित्य: हिंदी और उडिया के परिप्रेक्ष्य में, डॉ. अरुण होता, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
19. तुलनात्मक अध्ययन: भारतीय भाषाएं और साहित्य, डॉ. भ. ह. राजूरकर और डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR-19

इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य
EKKISVEEN SADI KA HINDI SAHITYA

CourseType	Course Code	Total ClassHours	TotalCredits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ (Theory)	UHINMAJ47019	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- समकालीन यथार्थ से परिचित करना।
- भूमंडलीकरण, उदारीकरण, और तकनीक के कारण समाज में आ रहे बदलावों से रूबरू कराना।
- समावेशी दृष्टिकोण विकसित करना।
- नए जीवन-संकट और कॉरपोरेट संस्कृति से अवगत करना।
- नए विधा-रूपों और शिल्प की समझ को विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• इक्किसवीं सदी के परिदृश्य और वैचारिकी को जान पाएँगे । • इक्कीसवी सदी के साहित्य का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी इक्किसवीं सदी की साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी अध्यापन, शोध, संपादन, समीक्षा-लेखन तथा साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में आवश्यक आलोचनात्मक दक्षता अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 इक्कीसवीं सदी का परिदृश्य : उपलब्धियाँ एवं चुनौतियाँ (15 घंटे)

- बाजार और उपभोक्ता संस्कृति : परिवार से समाज तक
- डिजिटल संस्कृति और सोशल मीडिया
- बदलते परिदृश्य में विमर्श : बाल विमर्श, वृद्ध विमर्श, किन्नर विमर्श तथा पर्यावरण विमर्श का सामान्य परिचय

इकाई – 2 इक्कीसवीं सदी की हिंदी कविता (15 घंटे)

- अपने हिस्से में लोग आकाश देखते हैं - विनोद कुमार शुक्ल
- किन्नर- यतीश कुमार
- युद्ध कहीं नहीं था- अच्युतानंद मिश्र
- सभ्यता- पार्वती तिर्की

इकाई - 3 इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानी (15 घंटे)

- दाखिला- मधु कांकरिया
- घुन- बसंत त्रिपाठी
- नीम का पौधा - चन्दन पांडेय
- डेटा नोट फाउंड- विजयशंकर चर्तुर्वेदी

इकाई - 4 इक्कीसवीं सदी का हिंदी उपन्यास (15 घंटे)

- गिलिगडु - चित्रा मुद्गल

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य: समय, समाज और संवेदना, रवीन्द्रनाथ मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी में भूमण्डलीकरण का प्रभाव और प्रतिरोध, सूरज पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. इक्कीसवीं सदी का पहला दशक और हिन्दी कहानी, सूरज पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कथा विवेचन का आलोक तथा 21वीं सदी का दूसरा दशक और हिन्दी उपन्यास, सूरज पालीवाल, वाणी
5. 21वीं शती का हिन्दी उपन्यास, पुष्पपाल सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी कहानी की इक्कीसवीं सदी: पाठ के पास, पाठ से परे - संजीव कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य, डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. समकालीन हिंदी साहित्य, डॉ. बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. समकालीन हिंदी कविता, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. समकालीन हिंदी कहानी, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिंदी उपन्यास का समकालीन परिदृश्य, डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. बाजारवाद और हिंदी साहित्य, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. मीडिया, बाजार और हिंदी, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. दलित विमर्श का साहित्य, कंवल भारती, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. स्त्री विमर्श : साहित्य और समाज, अनामिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. पर्यावरण विमर्श और हिंदी साहित्य, डॉ. रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
17. समकालीन हिंदी साहित्य : विविध आयाम, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयाग
18. हिंदी साहित्य का वर्तमान परिदृश्य, डॉ. मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
19. समकालीन साहित्य : सरोकार और विमर्श, डॉ. मैनेजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. इक्कीसवीं सदी की हिंदी कविता, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (सं.), भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
21. इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानी, डॉ. विजय बहादुर सिंह (सं.), भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

MINOR – 7

कथेतर साहित्य
KATHETAR SAHITYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMIN40004	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- अभिव्यक्ति की सर्वाधिक विधाओं से अवगत कराना।
- विद्यागत पार्थक्य एवं अंत:संबंधों में अभिव्यक्ति के प्रभावशाली स्वरूप का बोध कराना।
- बहुआयामी सृजनात्मक बोध विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• कथेतर विधाओं की अंतर्वस्तु के स्वरूप से विद्यार्थी अवगत होंगे। • कथेतर विधाओं का तात्त्विक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी निजी लेखकीय व्यक्तित्व को बहुआयामी बना पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• अध्यापन कार्य में प्रभावी अध्यापकीय व्यक्तित्व लाभ का अवसर प्राप्त करेंगे

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कथेतर साहित्य** : सामान्य परिचय एवं महत्त्व
- **विविध विधाएं :** परिभाषा, अत:संबंध एवं अंतर (मुख्य विधाएं : निबंध, व्यंग्य, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, आत्मकथा, जीवनी एवं डायरी)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **निबंध** : नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- **व्यंग्य** : विकलांग श्रद्धा का दौरा : हरिशंकर परसाई

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **संस्मरण** : तीस बरस का साथी : रामविलास शर्मा - अमृतलाल नागर
- **रेखाचित्र** : प्रथम भेंट : अंतिम भेंट : महादेवी वर्मा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **यात्रा-वृत्तांत** : सागर कन्या : खग शावक : अज्ञेय
- **आत्मकथा** : रे मन जाह, जहां तोहि भावे (कस्तूरी कुंडली बसै - पहला अध्याय) : मैत्रेयी पुष्पा

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	मध्यावधि परीक्षा	सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना	उपस्थिति	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य : प्रकृति और रचना संदर्भ, डॉ रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएं, कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार, डॉ हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी का कथेतर गद्य परम्परा और प्रयोग, सं. दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन
7. हिन्दी साहित्य का कथेतर गद्य-सर्जना, डॉ सुनील विक्रम सिंह, नमन प्रकाशन
8. कथेतर, सं. माधव हाड़ा, साहित्य अकादेमी प्रकाशन

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

FYUGP WITH HONOURS

अष्टम सत्र

SEMESTER- VIII

MAJOR-20

शोध प्रविधि

RESEARCH METHODOLOGY

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ48020	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- शोध की आधारभूत अवधारणाओं, सिद्धांतों एवं प्रविधियों का परिचय कराना, ताकि विद्यार्थी शोध की प्रकृति, उद्देश्य तथा विभिन्न प्रकारों को समझ सकें।
- विद्यार्थियों में शोध-समस्या की पहचान, शोध-विषय के चयन, सामग्री-संकलन, विश्लेषण एवं व्याख्या की बुनियादी क्षमता का विकास करना, जिससे वे व्यवस्थित एवं तार्किक अध्ययन कर सकें।
- शोध-लेखन, संदर्भण (Citation), उद्धरण तथा ग्रंथसूची निर्माण की मानक पद्धतियों से विद्यार्थियों को परिचित कराना, ताकि वे अकादमिक लेखन की मूलभूत तकनीकों में दक्ष हो सकें।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आलोचनात्मक चिंतन, शोध-नैतिकता तथा साहित्यिक चोरी(Plagiarism) के प्रति जागरूकता विकसित करना, जिससे वे गुणवत्तापूर्ण एवं नैतिक शोध-कार्य करने के लिए तैयार हो सकें।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी शोध की मूलभूत अवधारणाओं, उद्देश्यों, प्रकारों तथा शोध-प्रविधि के सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। • विद्यार्थी शोध-प्रक्रिया, सामग्री-संकलन, उद्धरण, ग्रंथसूची निर्माण तथा शोध-नैतिकता के मूल सिद्धांतों को समझ सकेंगे।

कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी शोध-विषय का चयन, शोध-समस्या का निर्धारण तथा सामग्री-संकलन एवं विश्लेषण करने की प्रारंभिक क्षमता विकसित करेंगे। • विद्यार्थी मानक अकादमिक पद्धति के अनुसार लघु शोध-प्रतिवेदन तैयार करने तथा स एवं उद्धरण का उचित प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शोध एवं शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेगें।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई-1 **(15 घंटे)**

- शोध : अवधारणा, स्वरूप एवं प्रयोजन
- शोध के प्रमुख प्रकार
- साहित्यिक शोध की प्रकृति एवं उपयोगिता

इकाई-2 **(15 घंटे)**

- शोध की प्रक्रिया एवं शोध-रूपरेखा (Research Design) का निर्माण
- शोध-विषय का चयन एवं सीमांकन
- शोध-समस्या का निर्धारण, शोध-प्रश्न एवं परिकल्पना

इकाई-3 **(15 घंटे)**

- सामग्री-संकलन की विधियाँ एवं विश्लेषण
- पुस्तकालय, अभिलेखागार एवं डिजिटल संसाधनों का उपयोग
- संदर्भ, उद्धरण एवं ग्रंथ-सूची की सामान्य पद्धतियाँ

इकाई-4 **(15 घंटे)**

- शोध-प्रबंध/लघु शोध-प्रबंध का प्रारूप
- शोध-लेखन की भाषा एवं शैली
- शोध में नैतिकता, साहित्यिक चोरी (Plagiarism) एवं उससे बचाव

	सतत् मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)
घटक	मध्यावधि परीक्षा	सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/परियोजना	उपस्थिति	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)		15		60

अनुशंसित ग्रंथ:

1. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. शोध-प्रविधि, डॉ. विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस. नई दिल्ली
3. साहित्यिक अनुसंधान के आयाम, डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
4. शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, डॉ. बैजनाथ सिंहल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. अनुसंधान प्रविधि और हिंदी, डॉ. रामप्रकाश, भावना प्रकाशन, दिल्ली
6. शोध-प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, डॉ. सुरेश सिन्हा, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
7. हिन्दी अनुसंधान, डॉ. विजयचन्द्र, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
8. साहित्यिक अनुसंधान : स्वरूप एवं पद्धति, डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
9. शोध-लेखन : सिद्धांत और व्यवहार, डॉ. नरेश मिश्र, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
10. अनुसंधान प्रविधि (Research Methodology), डॉ. सी. आर. कोठारी (हिन्दी अनुवाद), न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स, नई दिल्ली
11. साहित्यिक अनुसंधान, डॉ. राजेंद्र मिश्र, श्री. सुनीता प्रकाशन, इंदौर
12. शोध कार्यप्रणाली, रणजीत कुमार, सेग पब्लिकेशन, नई दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR – 21

फील्ड वर्क

FIELD WORK

Course Type	Course Code	Total Credits
MAJOR	UHINMAJ48021	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को विषय से संबंधित वास्तविक क्षेत्र (Field) में जाकर तथ्यों के संकलन, अवलोकन, साक्षात्कार तथा अन्य उपयुक्त शोध-प्रविधियों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में डेटा संकलन, विश्लेषण, व्याख्या, प्रतिवेदन (Report Writing) तथा समस्या-समाधान की व्यावहारिक एवं शोधपरक क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में सामाजिक, सांस्कृतिक अथवा व्यावसायिक संदर्भों में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान का व्यावहारिक अनुप्रयोग, नैतिक उत्तरदायित्व तथा प्रभावी संप्रेषण कौशल विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विषय से संबंधित क्षेत्रीय अध्ययन (Field Work) की अवधारणा, उद्देश्य, कार्यप्रणाली तथा डेटा संकलन की विभिन्न विधियों का सम्यक् ज्ञान प्राप्त करेंगे। • क्षेत्रीय अध्ययन से प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण, व्याख्या एवं सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ उनका समन्वय कर निष्कर्ष प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी फील्ड सर्वेक्षण, अवलोकन, साक्षात्कार, डेटा विश्लेषण, प्रतिवेदन (Report Writing) तथा प्रभावी मौखिक प्रस्तुतीकरण जैसे व्यावहारिक एवं शोधपरक कौशल विकसित करेंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शोध, सामाजिक सर्वेक्षण, परियोजना प्रबंधन, गैर-सरकारी संगठनों (NGOs), सरकारी योजनाओं के मूल्यांकन, उद्योग तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में क्षेत्रीय अध्ययन एवं रिपोर्ट लेखन से संबंधित कार्यों के लिए अपेक्षित व्यावसायिक दक्षता एवं रोजगारपरक क्षमता अर्जित करेंगे।

फील्ड वर्क के क्रियान्वयन संबंधी दिशानिर्देश एवं मूल्यांकन मानदंड

कार्य का चयन

- विभाग संभावित विषयों/क्षेत्रों की सूची जारी करेगा।
- विद्यार्थी व्यक्तिगत अथवा विभाग द्वारा अनुमोदित समूह (अधिकतम 3–5 विद्यार्थी) में कार्य कर सकते हैं।
- प्रत्येक विषय का अनुमोदन विभागीय समिति द्वारा किया जाएगा।

मार्गदर्शक शिक्षक

प्रत्येक विद्यार्थी/समूह के लिए मार्गदर्शक शिक्षक नियुक्त किए जायेगें, जो कार्य योजना, क्षेत्रीय अध्ययन, रिपोर्ट लेखन एवं प्रस्तुतीकरण का मार्गदर्शन करेगें।

क्षेत्रीय अध्ययन (Field Work)

विद्यार्थी निर्धारित क्षेत्र में जाकर प्रत्यक्ष अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची, अभिलेखीय अध्ययन अथवा अन्य उपयुक्त शोध-प्रविधियों के माध्यम से तथ्य संकलित करेंगे। प्रत्येक विद्यार्थी Field Diary/Log Book का संधारण करेगा।

प्रगति समीक्षा

कार्य की कम-से-कम दो चरणों में समीक्षा की जाएगी। मार्गदर्शक शिक्षक प्रगति का संक्षिप्त अभिलेख सुरक्षित रखेंगे।

प्रतिवेदन (Field Report)

रिपोर्ट में निम्नलिखित अवयव अनिवार्य हों-

- शीर्षक
- उद्देश्य
- अध्ययन क्षेत्र का परिचय
- शोध-प्रविधि
- तथ्य एवं विश्लेषण
- निष्कर्ष एवं सुझाव
- संदर्भ सूची
- परिशिष्ट (यदि आवश्यक हो)

शैक्षणिक ईमानदारी (Academic Integrity)

रिपोर्ट पूर्णतः मौलिक होनी चाहिए। असत्य आँकड़े पाए जाने पर मूल्यांकन प्रभावित हो सकता है ।

मूल्यांकन मानदंड

फील्ड वर्क रिपोर्ट प्रस्तुत करने के उपरांत प्रत्येक विद्यार्थी की मौखिक परीक्षा (Viva-Voce) आयोजित की जाएगी। फील्ड वर्क रिपोर्ट एवं मौखिक परीक्षा का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित बाह्य परीक्षक (External Examiner) तथा आंतरिक परीक्षक (Internal Examiner) संयुक्त रूप से करेंगे। कुल 60 अंकों के मूल्यांकन में आंतरिक परीक्षक तथा बाह्य परीक्षक द्वारा 30–30 अंक प्रदान किए जाएंगे। दोनों परीक्षक विद्यार्थी के फील्ड वर्क, रिपोर्ट की गुणवत्ता, विषय की समझ, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण क्षमता तथा मौखिक परीक्षा में उसके प्रदर्शन के आधार पर स्वतंत्र रूप से अंक प्रदान करेंगे। दोनों परीक्षकों द्वारा दिए गए अंकों का योग ही विद्यार्थी के अंतिम प्राप्तांक के रूप में मान्य होगा।

मूल्यांकन का घटक	**अंक**
1.फील्ड वर्क की योजना, उद्देश्य एवं शोध-रूपरेखा की स्पष्टता	5
2.क्षेत्रीय कार्य (Field Visit) का प्रभावी निष्पादन एवं सहभागिता	10
3.आँकड़ों/सूचनाओं का संकलन एवं प्रलेखन (Data Collection & Documentation)	10
4.आँकड़ों का विश्लेषण, व्याख्या एवं निष्कर्ष प्रस्तुत करने की क्षमता	10
5.फील्ड वर्क प्रतिवेदन (Report) की गुणवत्ता, संरचना एवं अकादमिक प्रस्तुति	10
6.मौखिक प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर एवं विषय की समझ	10
7.समयपालन, नैतिक आचरण एवं मौलिकता	5
कुल	**60**

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा
घटक	मध्यावधि परीक्षा	सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना	उपस्थिति	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

MAJOR – 21

टर्म पेपर
TERM PAPER

Course Type	Course Code	Total Credits
MAJOR	UHINMAJ48021	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों में किसी चयनित विषय पर स्वतंत्र अध्ययन, तथ्य-संकलन, विश्लेषण एवं शोधपरक लेखन की क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान का व्यावहारिक अनुप्रयोग करते हुए वैज्ञानिक एवं शोध-आधारित दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करना।
- विद्यार्थियों में मौलिक चिंतन, आलोचनात्मक विश्लेषण, शैक्षणिक लेखन, संदर्भ-संकलन तथा निष्कर्ष प्रस्तुत करने की दक्षता का विकास करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी टर्म पेपर की अवधारणा, उद्देश्य, संरचना तथा शोध-लेखन की मूलभूत प्रक्रियाओं का सम्यक् ज्ञान प्राप्त करेंगे। • विद्यार्थी चयनित विषय से संबंधित तथ्यों, अवधारणाओं, शोध-स्रोतों एवं संदर्भ सामग्री का समालोचनात्मक अध्ययन एवं विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी समालोचनात्मक चिंतन, समस्या-विश्लेषण, शोध-नैतिकता तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के प्रभावी उपयोग में कौशल अर्जित करेंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शोध, शिक्षण, परियोजना-लेखन, सामग्री विकास (Content Development), संपादन, प्रकाशन तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यावसायिक संस्थानों में रिपोर्ट एवं शोध-लेखन से संबंधित कार्यों के लिए अपेक्षित व्यावसायिक दक्षता अर्जित करेंगे।

टर्म पेपर के क्रियान्वयन संबंधी दिशानिर्देश एवं मूल्यांकन मानदंड

कार्य का चयन

- विभाग टर्म पेपर के संभावित विषयों की सूची जारी करेगा।
- विद्यार्थी विभागीय समिति की स्वीकृति से सूचीबद्ध अथवा स्व-प्रस्तावित विषय का चयन कर सकेंगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी व्यक्तिगत रूप से टर्म पेपर तैयार करेगा।
- चयनित विषय समसामयिक, शोधपरक एवं पाठ्यक्रम की विषयवस्तु से संबद्ध होना चाहिए।

मार्गदर्शक शिक्षक

- प्रत्येक विद्यार्थी के लिए विभाग द्वारा एक मार्गदर्शक शिक्षक नियुक्त किया जाएगा।
- मार्गदर्शक शिक्षक विषय-चयन, शोध-रूपरेखा, साहित्य समीक्षा, संदर्भ-संकलन, लेखन-पद्धति तथा टर्म पेपर के अंतिम प्रारूप के निर्माण में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।
- मार्गदर्शक शिक्षक समय-समय पर कार्य की प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा आवश्यक शैक्षणिक परामर्श देंगे।

शोध-प्रस्ताव / रूपरेखा

- विद्यार्थी चयनित विषय पर एक संक्षिप्त शोध-प्रस्ताव प्रस्तुत करेगा।
- शोध-प्रस्ताव में शीर्षक, समस्या का कथन, उद्देश्य, शोध-प्रश्न, कार्य-योजना तथा संभावित संदर्भ-सामग्री का संक्षिप्त विवरण शामिल होगा।
- मार्गदर्शक शिक्षक की स्वीकृति के उपरांत ही विद्यार्थी टर्म पेपर का कार्य प्रारंभ करेगा।

साहित्य समीक्षा (Review of Literature)

- विद्यार्थी चयनित विषय से संबंधित पुस्तकों, शोध-लेखों, शोध-प्रबंधों तथा अन्य प्रामाणिक स्त्रोतों का अध्ययन करेगा।
- साहित्य समीक्षा के माध्यम से विषय की वर्तमान स्थिति, प्रमुख अवधारणाओं एवं पूर्ववर्ती शोधों का समालोचनात्मक अवलोकन प्रस्तुत किया जाएगा।
- समीक्षा के आधार पर शोध की आवश्यकता एवं टर्म पेपर की दिशा स्पष्ट की जाएगी।

टर्म पेपर का प्रारूप

टर्म पेपर में निम्नलिखित अवयव अनिवार्य हों-

- शीर्षक
- भूमिका
- उद्देश्य
- साहित्य समीक्षा
- शोध-प्रविधि (जहाँ आवश्यक हो)
- विषय-विवेचन / विश्लेषण
- निष्कर्ष एवं सुझाव
- संदर्भ सूची
- परिशिष्ट (यदि आवश्यक हो)

शैक्षणिक ईमानदारी (Academic Integrity)

- टर्म पेपर पूर्णतः मौलिक होना चाहिए। इसमें प्रयुक्त सभी स्रोतों का उचित संदर्भ एवं उद्धरण अनिवार्य होगा।
- साहित्यिक चोरी (Plagiarism), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के अनुचित उपयोग अथवा असत्य तथ्यों के पाए जाने पर मूल्यांकन प्रभावित हो सकता है।

मूल्यांकन मानदंड

टर्म पेपर निर्धारित विषय पर तैयार कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर विभाग में जमा करना अनिवार्य होगा। टर्म पेपर प्रस्तुत करने के उपरांत प्रत्येक विद्यार्थी की मौखिक परीक्षा (Viva-Voce) आयोजित की जाएगी। टर्म पेपर एवं मौखिक परीक्षा का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित बाह्य परीक्षक (External Examiner) तथा आंतरिक परीक्षक (Internal Examiner) संयुक्त रूप से करेंगे। कुल 60 अंकों के मूल्यांकन में आंतरिक परीक्षक तथा बाह्य परीक्षक द्वारा 30–30 अंक प्रदान किए जाएंगे। दोनों परीक्षक टर्म पेपर की विषयवस्तु, शोध एवं संदर्भों के उपयोग, विश्लेषणात्मक दृष्टि, प्रस्तुतीकरण, मौलिकता तथा मौखिक परीक्षा में विद्यार्थी के प्रदर्शन के आधार पर स्वतंत्र रूप से अंक प्रदान करेंगे। दोनों परीक्षकों द्वारा दिए गए अंकों का योग ही विद्यार्थी के अंतिम प्राप्तांक के रूप में मान्य होगा।

आपके प्रस्तावित ढाँचे के अनुसार टर्म पेपर का कुल मूल्यांकन 60 अंक का होगा, जिसमें 40 अंक टर्म पेपर (लिखित प्रतिवेदन) तथा 20 अंक मौखिकी के लिए निर्धारित होंगे। इसका एक संतुलित एवं अकादमिक प्रारूप निम्नलिखित हो सकता है—

मूल्यांकन का घटक	अंक
1.विषय का चयन, उद्देश्य एवं शोध-रूपरेखा की स्पष्टता	5
2.साहित्य समीक्षा, स्रोतों का उपयोग एवं संदर्भों की प्रामाणिकता	10
3. विषय-वस्तु का विश्लेषण, तार्किकता एवं मौलिक चिंतन	10
4. निष्कर्ष, अकादमिक लेखन शैली एवं समग्र प्रस्तुति	10
5.भाषा, संरचना, संदर्भ शैली तथा समयबद्ध प्रस्तुतीकरण	5
6.मौखिकी (Viva-Voce): विषय की समझ, प्रस्तुतीकरण, प्रश्नोत्तर एवं विश्लेषणात्मक क्षमता	20
कुल	60

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER
NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR – 22

समूह चर्चा

GROUP DISCUSSION

Course Type	Course Code	Total Credits
MAJOR	UHINMAJ48022	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों में प्रभावी मौखिक संप्रेषण, तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति तथा सक्रिय श्रवण (Active Listening) की क्षमता का विकास करना।
- समसामयिक, सामाजिक, साहित्यिक एवं शैक्षिक विषयों पर समूह-चर्चा के माध्यम से आलोचनात्मक चिंतन, विश्लेषणात्मक दृष्टि तथा समस्या-समाधान कौशल का विकास करना।
- समूह में सहयोगात्मक सहभागिता, नेतृत्व, समय-प्रबंधन, शिष्ट संवाद एवं लोकतांत्रिक संवाद-व्यवहार की दक्षताओं का विकास करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी समूह-चर्चा के सिद्धांतों, उद्देश्यों, नियमों एवं प्रक्रिया को समझ सकेंगे। • विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक, साहित्यिक, शैक्षिक एवं समसामयिक विषयों पर तर्कपूर्ण एवं तथ्यपरक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी प्रभावी मौखिक संप्रेषण, सक्रिय श्रवण, तार्किक प्रस्तुतीकरण एवं प्रत्युत्तर देने का कौशल विकसित कर सकेंगे । • विद्यार्थी समूह में नेतृत्व, सहयोग, समय-प्रबंधन तथा संवाद-व्यवहार की दक्षताओं का प्रदर्शन कर सकेंगे।

रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी साक्षात्कार (Interview), समूह-चर्चा (GD), प्रस्तुतीकरण तथा अन्य व्यावसायिक संप्रेषण परिस्थितियों में प्रभावी सहभागिता कर सकेंगे। • विद्यार्थी टीमवर्क, समस्या-समाधान, निर्णय-निर्माण, एवं नेतृत्व जैसे व्यावसायिक कौशलों का कार्यस्थल पर सफलतापूर्वक उपयोग कर सकेंगे।

समूह चर्चा के क्रियान्वयन संबंधी दिशानिर्देश एवं मूल्यांकन मानदंड

कार्य का वितरण

- विद्यार्थियों को उनकी संख्या एवं कक्षा की संरचना के अनुसार संतुलित समूहों में विभाजित किया जाएगा।
- प्रत्येक समूह को पाठ्यक्रम एवं अधिगम उद्देश्यों के अनुरूप एक विषय आवंटित किया जाएगा।
- प्रत्येक समूह के सदस्यों के मध्य भूमिका एवं उत्तरदायित्व (जैसे-चर्चा का आरंभ, तर्क प्रस्तुत करना, प्रतिवाद करना, निष्कर्ष प्रस्तुत करना आदि) का वितरण आपसी सहमति अथवा मार्गदर्शक शिक्षक के निर्देशन में किया जाएगा।
- कार्य का वितरण इस प्रकार किया जाएगा, कि प्रत्येक विद्यार्थी को समूह-चर्चा में सक्रिय एवं सार्थक सहभागिता का समान अवसर प्राप्त हो।
- मार्गदर्शक शिक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि कार्य-वितरण निष्पक्ष, संतुलित तथा पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के अनुरूप हो।

मार्गदर्शक शिक्षक

मार्गदर्शक शिक्षक समूहों के गठन, विषय-चयन, कार्य-योजना, चर्चा की तैयारी, आवश्यक शैक्षणिक मार्गदर्शन तथा प्रायोगिक गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे। वे विद्यार्थियों की सहभागिता का सतत् पर्यवेक्षण करेंगे तथा समय-समय पर रचनात्मक प्रतिपुष्टि (Feedback) प्रदान करेंगे।

परीक्षा का प्रारूप

- महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के 6–10 सदस्यों के समूह गठित किए जाएंगे तथा प्रत्येक समूह को पूर्वनिर्धारित अथवा आवंटित विषय प्रदान किया जाएगा।
- प्रत्येक समूह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बाह्य परीक्षक एवं आंतरिक परीक्षक की उपस्थिति में निर्धारित विषय पर समूह-चर्चा प्रस्तुत करेगा।

मूल्यांकन

प्रत्येक विद्यार्थी को पाठ्यक्रम से संबंधित एक निर्धारित विषय प्रदान किया जाएगा। विद्यार्थी उस विषय पर अपने समूह/उपसमूह के साथ अध्ययन एवं तैयारी करेगा तथा सत्र के अंत में निर्धारित तिथि पर आयोजित समूह चर्चा (Group Discussion) में भाग लेगा। इस दौरान विद्यार्थी को विषय की समझ, तर्कशीलता, विश्लेषणात्मक दृष्टि, संवाद-कौशल तथा समूह में प्रभावी सहभागिता का प्रदर्शन करना होगा।

समूह चर्चा का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित बाह्य परीक्षक (External Examiner) तथा आंतरिक परीक्षक (Internal Examiner) द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। कुल 60 अंकों के मूल्यांकन में आंतरिक परीक्षक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा 30–30 अंक प्रदान किए जाएंगे। दोनों परीक्षक विद्यार्थी की विषयगत समझ, प्रस्तुतीकरण, तर्क क्षमता, समूह में सहभागिता, अभिव्यक्ति तथा प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता के आधार पर स्वतंत्र रूप से अंक प्रदान करेंगे। दोनों परीक्षकों द्वारा दिए गए अंकों का योग ही विद्यार्थी के अंतिम प्राप्तांक के रूप में मान्य होगा।

मूल्यांकन का घटक	**अंक**
1.विषय की समझ एवं अवधारणात्मक स्पष्टता	10
2.तार्किक एवं विश्लेषणात्मक अभिव्यक्ति	10
3.समूह चर्चा में सक्रिय एवं सार्थक सहभागिता	10
4.संवाद कौशल, तर्क प्रस्तुत करने एवं प्रतितर्क देने की क्षमता	10
5.नेतृत्व क्षमता, सहयोगात्मक दृष्टिकोण एवं समूह-व्यवहार	10
6.भाषा की शुद्धता, आत्मविश्वास, समयपालन एवं अकादमिक शिष्टाचार	10
कुल	**60**

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा
घटक	मध्यावधि परीक्षा	सेमिनार-पत्र प्रस्तुति	उपस्थिति	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR – 22

संगोष्ठी
SEMINAR PRESENTATION

Course Type	Course Code	Total Credits
MAJOR	UHINMAJ48022	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों में विषय के गहन अध्ययन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
- अकादमिक प्रस्तुतीकरण (Academic Presentation) की दक्षता विकसित करना।
- शोधपरक दृष्टि, तार्किक चिंतन एवं आलोचनात्मक विश्लेषण को प्रोत्साहित करना।
- सार्वजनिक मंच पर प्रभावी अभिव्यक्ति एवं संवाद कौशल का विकास करना।
- प्रश्नोत्तर एवं विमर्श के माध्यम से विषय की व्यापक समझ विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी संगोष्ठी-विषय का सम्यक् अध्ययन कर उसके प्रमुख सिद्धांतों, अवधारणाओं एवं समकालीन संदर्भों का आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करेगा। • विद्यार्थी विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी का विश्लेषण, संश्लेषण एवं तार्किक व्याख्या करने में सक्षम होगा।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी प्रभावी मौखिक प्रस्तुतीकरण, शैक्षणिक लेखन, डिजिटल प्रस्तुतीकरण (PPT) तथा प्रश्नोत्तर की दक्षता विकसित करेगा। • विद्यार्थी आलोचनात्मक चिंतन, संवाद, समय-प्रबंधन तथा श्रोताओं के साथ प्रभावी अंतःक्रिया करने की क्षमता अर्जित करेगा।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण, शोध, प्रशिक्षण, प्रशासन तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में आवश्यक प्रस्तुतीकरण, संप्रेषण एवं नेतृत्व कौशल विकसित करेगा।

संगोष्ठी के क्रियान्वयन संबंधी दिशानिर्देश एवं मूल्यांकन मानदंड

कार्य का स्वरूप

- विभाग द्वारा विषयों की सूची जारी की जाएगी।
- प्रत्येक विद्यार्थी अथवा अधिक से अधिक दो विद्यार्थी का समूह किसी एक विषय का चयन करेगा।
- विषयों का अनुमोदन विभागाध्यक्ष/शिक्षक द्वारा किया जाएगा
- विद्यार्थी/समूह विभाग द्वारा निर्धारित अथवा अनुमोदित विषय पर स्वतंत्र अध्ययन एवं संदर्भ-सामग्री के आधार पर एक संगोष्ठी पत्र (Seminar Paper) तैयार करेगा।
- इस पत्र के आधार पर वह निर्धारित समय-सीमा में डिजिटल अथवा अन्य उपयुक्त माध्यमों (जैसे Power Point, पोस्टर आदि) का उपयोग करते हुए विषय का मौखिक प्रस्तुतीकरण करेगा।
- प्रस्तुतीकरण के उपरांत विद्यार्थी परीक्षकों एवं प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देगा तथा विषय पर अकादमिक विमर्श में सक्रिय सहभागिता करेगा।

संगोष्ठी पत्र का प्रारूप-

टर्म पेपर की तरह संगोष्ठी पत्र विस्तृत नहीं होना चाहिए। अर्थात टर्म पेपर जहाँ शोधपरक विस्तृत लेखन है, वहीं सेमिनार पेपर प्रस्तुतीकरण का आधार होगा। पत्र सुव्यवस्थित, प्रमाणिक तथा शैक्षणिक लेखन की मान्य परंपराओं के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

पत्र की अनुशंसित रूपरेखा निम्नवत् होगी-

- आवरण पृष्ठ (Cover Page)
- विषय-सूची
- भूमिका (Introduction)
- अध्ययन का उद्देश्य
- विषय-वस्तु का क्रमबद्ध एवं विश्लेषणात्मक विवेचन
- आवश्यकतानुसार तालिका, चित्र, आँकड़े अथवा उदाहरण
- निष्कर्ष एवं सुझाव
- संदर्भ सूची (References/Bibliography)
- पत्र लगभग 2500–3000 शब्दों का होगा।
- भाषा स्पष्ट, शुद्ध एवं अकादमिक शैली की होगी।
- उद्धरण एवं संदर्भ निर्धारित शैली (APA/MLA अथवा विभागीय निर्देशानुसार) में दिए जाएँगे।
- संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण इसी पत्र पर आधारित होगा।

संगोष्ठी पत्र प्रस्तुति की प्रक्रिया

- संगोष्ठी पत्र तैयार होने के उपरांत प्रत्येक विद्यार्थी निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अपने विषय का प्रस्तुतीकरण करेगा।
- पत्र निर्धारित तिथि तक विभाग में जमा करना अनिवार्य होगा।
- विद्यार्थी पत्र के आधार पर Power Point (PPT), पोस्टर अथवा अन्य उपयुक्त प्रस्तुतीकरण सामग्री तैयार करेगा।
- निर्धारित तिथि एवं समय पर 10-15 मिनट की अवधि में विषय का मौखिक प्रस्तुतीकरण करेगा।
- प्रस्तुतीकरण के दौरान विषय की स्पष्टता, तार्किकता, समय-प्रबंधन तथा प्रभावी संप्रेषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
- प्रस्तुतीकरण के उपरांत प्रश्नोत्तर एवं अकादमिक विमर्श में सहभागिता अनिवार्य होगी।
- प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन निर्धारित मूल्यांकन मानदंड एवं रूब्रिक के आधार पर किया जाएगा
- प्रत्येक प्रस्तुतीकरण के उपरांत प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया जाएगा।
- प्रश्नोत्तर एवं अकादमिक विमर्श में विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित बाह्य परीक्षक तथा विभाग के सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- महाविद्यालय अपनी सुविधा एवं शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण की तिथि, समय एवं कार्यक्रम निर्धारित करेगा।
- बाह्य परीक्षक, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण तथा आवश्यकतानुसार अन्य विद्यार्थी भी प्रस्तुत विषय से संबंधित प्रश्न पूछ सकेंगे।
- प्रस्तुतकर्ता तथ्यों, तर्कों एवं प्रमाणों के आधार पर प्रश्नों का उत्तर देगा तथा विषय पर सार्थक अकादमिक संवाद में सहभागिता करेगा।

मूल्यांकन

प्रत्येक विद्यार्थी को सत्र के प्रारंभ में पाठ्यक्रम से संबंधित एक सेमिनार विषय आवंटित किया जाएगा। विद्यार्थी निर्धारित विषय पर अध्ययन एवं संदर्भ सामग्री के आधार पर अपना सेमिनार पेपर तैयार करेगा तथा निर्धारित तिथि को उसका मौखिक प्रस्तुतीकरण (Seminar Presentation) करेगा। प्रस्तुतीकरण के उपरांत परीक्षकों द्वारा विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनके माध्यम से विद्यार्थी की विषयगत समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता, प्रस्तुतीकरण-कौशल तथा प्रश्नों के उत्तर देने की योग्यता का मूल्यांकन किया जाएगा।

सेमिनार पेपर एवं उसके मौखिक प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित बाह्य परीक्षक (External Examiner) तथा आंतरिक परीक्षक (Internal Examiner) संयुक्त रूप से करेंगे। कुल 60 अंकों के मूल्यांकन में आंतरिक परीक्षक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा 30–30 अंक प्रदान किए जाएंगे। दोनों परीक्षक विद्यार्थी के सेमिनार पेपर की गुणवत्ता, विषय की समझ, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषणात्मक दृष्टि, संदर्भों के उपयोग तथा प्रश्नोत्तर में प्रदर्शन के आधार पर स्वतंत्र रूप से अंक प्रदान करेंगे। दोनों परीक्षकों द्वारा दिए गए अंकों का योग ही विद्यार्थी के अंतिम प्राप्तांक के रूप में मान्य होगा।

मूल्यांकन का घटक	**अंक**
1.विषय की समझ एवं अवधारणात्मक स्पष्टता	10
2.तार्किक एवं विश्लेषणात्मक अभिव्यक्ति	10
3.समूह चर्चा में सक्रिय एवं सार्थक सहभागिता	10
4.संवाद कौशल, तर्क प्रस्तुत करने एवं प्रतितर्क देने की क्षमता	10
5.नेतृत्व क्षमता, सहयोगात्मक दृष्टिकोण एवं समूह-व्यवहार	10
6.भाषा की शुद्धता, आत्मविश्वास, समयपालन एवं अकादमिक शिष्टाचार	10
कुल	60

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

MAJOR – 22

मौखिकी

GRAND VIVA

Course Type	Course Code	Total Credits
MAJOR	UHINMAJ48022	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों द्वारा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के अध्ययन से अर्जित ज्ञान एवं बौद्धिक परिपक्वता का समग्र मूल्यांकन करना।
- विषयवस्तु की अवधारणात्मक समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता एवं आलोचनात्मक दृष्टि का परीक्षण करना।
- शोधाभिरुचि, तर्कशक्ति, समस्या-समाधान क्षमता तथा अकादमिक संवाद कौशल का मूल्यांकन करना।
- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, प्रभावी मौखिक अभिव्यक्ति तथा साक्षात्कार संबंधी दक्षताओं का विकास करना।
- विषय के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों को समन्वित रूप में प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की प्रमुख अवधारणाओं, सिद्धान्तों एवं प्रवृत्तियों का समग्र ज्ञान प्रदर्शित करेगा। • विषय से संबंधित विभिन्न विचारधाराओं एवं शोधपरक दृष्टियों का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेगा। • अर्जित ज्ञान का समेकित एवं संदर्भानुकूल उपयोग करने में सक्षम होगा।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी प्रभावी मौखिक संप्रेषण एवं अकादमिक प्रस्तुतीकरण की दक्षता प्रदर्शित करेगा।

	• तार्किक, विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक ढंग से प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होगा। • शोध, संदर्भ, प्रमाण एवं उदाहरणों के आधार पर अपने विचारों को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत कर सकेगा। • समयबद्ध एवं आत्मविश्वासपूर्ण संवाद स्थापित करने की क्षमता विकसित करेगा।
रोजगार संबंधी	• साक्षात्कार, चयन प्रक्रिया एवं अकादमिक विमर्श के लिए अपेक्षित संप्रेषण कौशल विकसित करेगा। • उच्च शिक्षा, शोध, अध्यापन तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में विषयगत ज्ञान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सक्षम होगा। • नेतृत्व, निर्णय-क्षमता, समस्या-समाधान तथा पेशेवर व्यवहार का परिचय देगा।

मौखिकी के क्रियान्वयन संबंधी दिशानिर्देश एवं मूल्यांकन मानदण्ड

समग्र मौखिक परीक्षा की विषयवस्तु

मौखिक परीक्षा का दायरा बी.ए. हिंदी कार्यक्रम के सम्पूर्ण अध्ययन को समाहित करेगा। इसमें विद्यार्थियों की विषयगत समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता, मौखिक अभिव्यक्ति तथा ज्ञान के अनुप्रयोग का समग्र मूल्यांकन किया जाएगा।

मौखिक परीक्षा का स्वरूप

- मौखिकी का संचालन आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक की उपस्थिति में किया जाएगा।
- परीक्षा बी.ए. हिंदी कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होगी।
- प्रश्न अवधारणात्मक, विश्लेषणात्मक, व्याख्यात्मक तथा अनुप्रयोगात्मक प्रकृति के होंगे।
- प्रश्न भाषा, साहित्य, व्याकरण, सांस्कृतिक अध्ययन तथा पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य विषयों पर आधारित होंगे।
- विद्यार्थियों द्वारा किए गए असाइनमेंट, सेमिनार, परियोजना, समूह चर्चा, फील्ड वर्क अथवा अन्य अनुभवात्मक अधिगम गतिविधियों से संबंधित प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं।
- विद्यार्थियों की विषयगत समझ, तार्किक चिंतन, आलोचनात्मक दृष्टि तथा समस्या-समाधान क्षमता का परीक्षण किया जाएगा।
- मौखिक अभिव्यक्ति, संप्रेषण कौशल, भाषा-शुद्धता, आत्मविश्वास एवं प्रस्तुतीकरण क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा।

- आवश्यकतानुसार परीक्षक विद्यार्थियों से अनुपूरक (Supplementary) प्रश्न पूछ सकते हैं।
- परीक्षा का उद्देश्य केवल तथ्यात्मक ज्ञान का परीक्षण न होकर, विद्यार्थी के समग्र अकादमिक विकास एवं व्यावसायिक तैयारी का मूल्यांकन करना होगा।

परीक्षकों के लिए दिशानिर्देश

- परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं पूर्वनिर्धारित मूल्यांकन मानदण्डों के अनुसार संपन्न कराएं।
- प्रश्न सम्पूर्ण बी.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के विभिन्न आयामों को समाहित करने वाले हों।
- प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर एवं पर्याप्त समय प्रदान किया जाए।
- प्रश्नों का स्तर विद्यार्थी की अवधारणात्मक, विश्लेषणात्मक एवं अनुप्रयोगात्मक समझ का परीक्षण करने वाला हो।
- मूल्यांकन केवल तथ्यात्मक ज्ञान पर नहीं, बल्कि संप्रेषण कौशल, तार्किक चिंतन एवं आत्मविश्वास के आधार पर भी किया जाए।

विद्यार्थियों के लिए दिशानिर्देश

- विद्यार्थी सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का समेकित अध्ययन करके परीक्षा में सम्मिलित हों।
- उत्तर स्पष्ट, तार्किक, सुसंगत एवं विषयानुकूल प्रस्तुत करें।
- प्रश्नों के उत्तर देते समय उपयुक्त उदाहरण एवं संदर्भों का उपयोग करें।
- शिष्टाचार, अनुशासन एवं आत्मविश्वास के साथ संवाद स्थापित करें।
- परीक्षा के दौरान परीक्षकों के निर्देशों का पालन करें।

मूल्यांकन

सत्र के अंत में प्रत्येक विद्यार्थी की मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा पाठ्यक्रम के समग्र अध्ययन, विषयगत समझ, वैचारिक स्पष्टता, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा अभिव्यक्ति-कौशल के मूल्यांकन के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। विद्यार्थी से पाठ्यक्रम के विभिन्न इकाइयों एवं संबंधित विषयों पर प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनके माध्यम से उसके समग्र ज्ञान, चिंतन-क्षमता तथा विषय की व्यापक समझ का आकलन किया जाएगा।

इस पत्र का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित बाह्य परीक्षक (External Examiner) तथा आंतरिक परीक्षक (Internal Examiner) संयुक्त रूप से करेंगे। कुल 60 अंकों के मूल्यांकन में आंतरिक परीक्षक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा 30–30 अंक प्रदान किए जाएंगे। दोनों परीक्षक विद्यार्थी की विषयगत समझ, विश्लेषणात्मक दृष्टि, तार्किक उत्तर देने की क्षमता, अभिव्यक्ति-कौशल तथा समग्र अकादमिक प्रदर्शन के आधार पर स्वतंत्र रूप से अंक प्रदान करेंगे। दोनों परीक्षकों द्वारा दिए गए अंकों का योग ही विद्यार्थी के अंतिम प्राप्तांक के रूप में मान्य होगा।

मूल्यांकन का घटक	**अंक**
1.समग्र विषय-ज्ञान एवं अवधारणात्मक स्पष्टता	15
2.विश्लेषणात्मक, आलोचनात्मक एवं तार्किक चिंतन क्षमता	10
3.विभिन्न पाठ्यक्रमों के मध्य अंतःसंबंध स्थापित करने की क्षमता	10
4.मौखिक अभिव्यक्ति, संप्रेषण कौशल एवं आत्मविश्वास	10
5.प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता, तर्कशीलता एवं अकादमिक परिपक्वता	10
6.व्यक्तित्व, अकादमिक शिष्टाचार एवं समग्र प्रभाव	5
कुल	60

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

MAJOR-23

हिंदी भाषा-साहित्य : अध्ययन एवं अनुप्रयोग
HINDI BHASHA SAHITYA: ADHYAYAN EWAM ANUPRAYOG

CourseType	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ (Theory)	UHINMAJ48023	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नों की संरचना से अवगत कराना।
- शोधपरक अध्ययन से आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना।
- भाषा कौशल और साहित्य-दृष्टि विकसित कर विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के लिए सार्थक और प्रभावी सामग्री निर्माण का सामर्थ्य विकसित करना।
- साहित्य के प्रयोजन के तहत समय-समाज के प्रति स्वस्थ मूल्यों का बोध कराना।
- कक्षा के बाहर अध्ययन की सामग्री की व्यावहारिक प्रयोजनीयता से परिचय करना।
- पाठ्य सामग्री के अध्ययन से विद्यार्थियों का सर्जनात्मक एवं सृजनात्मक कौशल का संवर्धन करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर और अपेक्षित परिणाम अर्जित करेंगे। • पठित रचना एवं रचनाकारों की तुलनात्मक आलोचना व विश्लेषण करते हुए इनकी व्यावहारिक उपयोगिता को समझ पाएंगे। • विद्यार्थी पठित अध्यायों, रचना एवं रचनाकारों पर ब्लॉग लेखन, पॉडकास्ट, साक्षात्कार, प्रेमचंद जयंती तुलसी जयंती जैसे अवसरों पर मीडिया सामग्री निर्माण के लिए स्वयं को समर्थ पाएंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी पठित रचनाकारों के आलोक में समय के बदलाव के साथ आवश्यक मूल्य-दृष्टि विकसित कर पाएंगे।

	• पठित सामग्रियों की कक्षा के बाहर व्यावहारिक जीवन में उपयोगिता पठन-पाठन को रुचिकर बनाएगी।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी साहित्यिक विधाओं का लेखन कर पाएंगे एवं मौलिक चिंतन एवं कल्पना शक्ति से वैचारिक लेखन कर पाएंगे।

विशेष : अध्ययन एवं अनुप्रयोग के विविध क्षेत्र - प्रतियोगी परीक्षा, शोध कार्य, भाषा-साहित्य के सोशल मीडिया में बहुआयामी उपयोग, बदलते परिदृश्य में मूल्य निर्माण, कौशल संवर्धन, रचनात्मक एवं वैचारिक लेखन।

- इकाई 1 में हिंदी भाषा कौशल के अंतर्गत व्याकरण एवं कौशल के चार आयामों का संकेतित रचनाओं के परिपेक्ष में व्यावहारिक अध्ययन करेंगे।
- हिंदी साहित्य के इतिहास की युगीन प्रवृत्तियों की उपलब्धियां का अध्ययन करते हुए सामाजिक बदलाव और उसके कारण बदलते रचनात्मक सरोकार की पहचान करेंगे। साथ ही वर्तमान समय के प्रति अपनी दृष्टि भी विकसित करेंगे।
- इकाई 2, 3 एवं 4 में शामिल रचनाकारों की उन्हीं रचनाओं को अनुप्रयोग के विविध क्षेत्र के अनुसार पढ़ना है, जिन्हें वे **प्रथम सत्र से छठे सत्र तक** पढ़ चुके हैं। अध्ययन को अनुप्रयोग के विविध क्षेत्र के लिए व्यावहारिक दिशा देने की कोशिश की जाएगी।
- पाठ्यक्रम में शामिल रचना एवं रचनाकारों को प्रतियोगी परीक्षा में आने वाले प्रश्नों की बहुआयामी वैकल्पिक संरचना के अनुसार अध्ययन किया जाएगा। विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाले प्रश्नों की संरचना से अवगत होंगे।
- हिंदी साहित्य के इतिहास की युगीन प्रवृत्तियों की उपलब्धियां का अध्ययन करते हुए सामाजिक बदलाव और उसके कारण बदलते रचनात्मक सरोकार की पहचान करेंगे। साथ ही वर्तमान समय के प्रति अपनी दृष्टि भी विकसित करेंगे।
- रचना एवं रचनाकारों के प्रति शोधपरक दृष्टि विकसित करते हुए तुलनात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन का समर्थ विकसित किया जाएगा।
- पठित रचनाओं की विधागत पहचान करके विद्यार्थी दोहा, पद, कविता, कहानी जैसी विधाओं को लिखने की प्रेरणा ग्रहण करेंगे।
- रचना एवं रचनाकारों के अध्ययन से प्राप्त मूल्य बोध/ चेतना के आधार पर सोशल मीडिया में ब्लॉग, पटकथा, रील्स, लघु फिल्म, पॉडकास्ट, साक्षात्कार की सामग्री तैयार करेंगे और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साझा करते हुए, निजी व्यक्तित्व को निखारेंगे एवं रोजगार या आजीविका के उपाय भी कर पाएंगे।
- मध्यकालीन, आधुनिक काव्य, कथा साहित्य एवं उसके विभिन्न विमर्शों पर ब्लॉग लेखन के अलावा रचनाओं पर केंद्रित पॉडकास्ट या साक्षात्कार की सामग्री के रूप में किन्ही प्रश्नों और उनके उत्तर को समूह में तैयार करेंगे।

- पठित रचनाओं में निहित संदेश पर रील एवं पोस्ट तैयार करके सोशल मीडिया के माध्यम से हमारे व्यवहारिक जीवन को संस्कारित कर पाएंगे।
- कक्षा में प्राप्त ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग का बोध अनिवार्य है। साहित्य रचने और पढ़ने का चाहे जो भी उद्देश्य हो, उसे पढ़ने का उद्देश्य जब तक विद्यार्थियों की दिनचर्या का अंग नहीं बन पाएगा, तब तक भाषा साहित्य के प्रति विद्यार्थियों की रुचि नहीं बढ़ेगी।
- व्याख्यान, सेमिनार, पॉडकास्ट, साक्षात्कार, ऑडियोबुक सुनने की दिशा में **श्रवण कौशल** की उपयोगिता है, तो साथ ही कक्षा में प्रश्नों के उत्तर देने, सेमिनार-पत्र प्रस्तुत करने के अलावा वक्तव्य, वाद-विवाद एवं समूह चर्चा के क्षेत्र में **भाषण कौशल** उपयोगी है।
- उत्तर पुस्तिका, ब्लॉग, पटकथा, आलोचनात्मक लेखन के लिए **लेखन कौशल** की उपयोगिता है। वाचन कौशल का उपयोग एकेडमिक पुस्तकों के अध्ययन के अलावा ई-कंटेंट के अध्ययन में भी है। कौशल संवर्धन कक्षा एवं कक्षा के बाहर विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों की प्रस्तुति को प्रभावी बनाएगा।
- समग्रता में कि विद्यार्थी जो कुछ पढ़ते हैं, उसका उपयोग कहां-कहां और कैसे सार्थक एवं प्रभावी बन सकता है।
- एकेडमिक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में अपेक्षित परिणाम तथा डिजिटल संस्कृति को मूल्य-दृष्टि से समृद्ध करने के लिए भाषा-साहित्य के अनुप्रयोग के विविध क्षेत्रों में भाषा कौशल के चारों आयाम की उपयोगिता स्वतः सिद्ध है।
- भाषा-साहित्य का अध्ययन करते हुए, डिजिटल तकनीक की सहायता से रोजगार या आजीविका के अवसर भी बनाए जा सकते हैं।
- अकादमिक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित शीर्षकों पर सेमिनार-पत्र प्रस्तुति के अलावा डिजिटल प्लैटफॉर्म के लिए पठित रचना एवं रचनाकारों पर कौशल आधारित सामग्री निर्माण को सतत मूल्यांकन के लिए परियोजना के रूप में दिया जा सकता है।

अध्ययन एवं अनुप्रयोग का सूत्र

पठित रचना एवं रचनाकार + आलोचनात्मक-दृष्टि + अभिव्यक्ति कौशल +
डिजिटल प्लेटफॉर्म और तकनीक = ज्ञान अभिव्यक्ति और रोजगार/आजीविका।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई - 1 **(15 घंटे)**

भाषा कौशल – हिंदी व्याकरण : वर्ण विच्छेद, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, संधि, समास, अव्यय, कारक, वाच्य, प्रत्यय, उपसर्ग, वाक्य के भेद

कौशल संवर्धन : श्रवण (शैक्षिक व्याख्यान, ऑडियो बुक, पॉडकास्ट, साक्षात्कार, समूह चर्चा, वाद-विवाद),भाषण(प्रश्नोत्तर, वक्तव्य, वाद-विवाद, समूह-चर्चा, सेमिनार पत्र प्रस्तुति), वाचन(अकादमिक साहित्य,ई-कंटेंट) एवं लेखन कौशल (साहित्यिक विधाएं, आलोचनात्मक लेख, उत्तर-पुस्तिका, ब्लॉग-पॉडकास्ट-साक्षात्कार-पटकथा लेखन)

इकाई -2 **(15 घंटे)**

हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, नामकरण, युगीन प्रवृत्तियां, मुख्य रचना एवं रचनाकार।

इकाई -3 **(15 घंटे)**

हिंदी काव्य

आदिकालीन एवं मध्यकालीन : विद्यापति, कबीर, तुलसी, मीरा, घनानंद (पठित पद) आधुनिक काव्य : भारतेंदु (भारत दुर्दशा नए जमाने की मुकरी), प्रसाद (पेशोला की प्रतिध्वनि, ले चल वहां बुलावा देकर), नागार्जुन(प्रतिबद्ध हूँ, कालिदास सच-सच बतलाना), राजेश जोशी (इत्यादि, बच्चे कम पर जा रहे हैं)

इकाई -4 **(15 घंटे)**

कथा साहित्य

प्रेमचंद - शतरंज के खिलाड़ी

निर्मल वर्मा - एक दिन का मेहमान

शिवमूर्ति - बनाना रिपब्लिक

ममता कालिया- दौड़ (उपन्यास)

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	अकादमिक सेमिनार-पत्र या सोशल मीडिया सामग्री पर परियोजना	उपस्थिति	1x20=20 2x8=16 (20 words) /12Q. 4x6=24 (50 words) /10Q.
निर्धारित अंक	10	05	
पूर्णांक (75)	15		60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, इलाहाबाद
2. हिंदी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदीः शब्द, अर्थ, प्रयोग, हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी शब्द सामर्थ्य, कैलाशचन्द्र भाटिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी शिक्षण, एस एन श्रीवास्तव, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, कादियान जगदम्बा पब्लिशिंग कंपनी
6. समाचार पत्रों की भाषा, डॉ. माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मीडिया और हिंदी, (सं.) जाधव केशव मौर्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. मीडिया की भाषा लीला, रविकान्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मीडिया लेखन और संपादन कला, गोविन्द प्रसाद एवं अनुपम पाण्डेय, डिस्कवरी हाउस
12. द आर्ट ऑफ़ पब्लिक स्पीकिंग, डेल कारनेगी, अमृत बुक्स, नई दिल्ली
13. अच्छा बोलने की कला और कामयाबी, डेल कारनेगी, प्रभात पेपरबैक्स
14. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
15. हिंदी साहित्य का इतिहास, (सं.) डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स, नई दिल्ली
16. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन,दिल्ली
17. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
18. हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन

20.हिंदी साहित्य का इतिहास पुनर्लेखन की आवश्यकता, पुखराज मारू, राधाकृष्ण प्रकाशन
21.विद्यापति की पदावली, रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक-भंडार, लहेरियासराय, पटना
22.विद्यापति : अनुशीलन एवं मूल्यांकन, डॉ वीरेंद्र श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
23.कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
24.अकथ कहानी प्रेम की, पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
25.कबीर पुनर्पाठ / पुनर्मूल्यांकन, परमानन्द श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
26.पूरा कबीर, (सं.) बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
27.कबीर, (सं.) बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
28.लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
29.तुलसी की साहित्य साधना, डॉ. लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
30.मीरा पदावली, विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
31.मीरा : एक पुनर्मूल्यांकन, पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला
32.घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा, मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा
33.भारत दुर्दशा, संपादक- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन
34.भारतेंदु संचयन, सं०- रामजी यादव, भारतीय पुस्तक परिषद
35.भारतेन्दु हरिश्चंद्र और नवजागरण की समस्याएँ, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
36.जयशंकर प्रसाद, नंद दुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन
37.लहर, जयशंकर प्रसाद, कला मंदिर
38.प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन
39.नागार्जुन की कविता, अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
40.समकालीनता और साहित्य, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
41.कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
42.समकालीन कविता का बीजगणित, कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
43.समकालीन काव्य यात्रा, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
44.कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
45.कहानी आंदोलन की भूमिका, बलिराज पांडे, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।
46.आज की हिन्दी कहानी, विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
47.नई कहानीः संदर्भ और प्रकृति, संपादक देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

48.नई कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
49.कहानी स्वरूप और संवेदना, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
50.हिन्दी कहानी प्रक्रिया और पाठ, सुरेंद्र चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
51.आधुनिक हिन्दी कहानी, डॉक्टर लक्ष्मी नारायण लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
52.कहानी: अनुभव एवं अभिव्यक्ति, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
53.समकालीन हिन्दी कहानी, डॉक्टर पुष्पाल सिंह, हरियाना साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
54.स्वातंत्रोत्तर हिन्दी कहानी, डॉक्टर रमेश कुमार गुप्त, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद।
55.समकालीन कहानीः दिशा एवं दृष्टि, डॉक्टर धनंजय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
56.हिन्दी कहानी अपनी जबानी, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
57.हिन्दी उपन्यास का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
58.हिन्दी उपन्यास का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
59.हिन्दी उपन्यास की परंपरा और प्रवृत्तियाँ, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
60.हिन्दी उपन्यास : स्वरूप और मूल्यांकन, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
61.हिन्दी उपन्यास आलोचनात्मक अध्ययन, डॉ. नगेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

MINOR – 8

कथेतर साहित्य
KATHETAR SAHITYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMIN40004	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- अभिव्यक्ति की सर्वाधिक विधाओं से अवगत कराना।
- विद्यागत पार्थक्य एवं अंत:संबंधों में अभिव्यक्ति के प्रभावशाली स्वरूप का बोध कराना।
- बहुआयामी सृजनात्मक बोध विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• कथेतर विधाओं की अंतर्वस्तु के स्वरूप से विद्यार्थी अवगत होंगे। • कथेतर विधाओं का तात्त्विक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी निजी लेखकीय व्यक्तित्व को बहुआयामी बना पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• अध्यापन कार्य में प्रभावी अध्यापकीय व्यक्तित्व लाभ का अवसर प्राप्त करेंगे

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कथेतर साहित्य** : सामान्य परिचय एवं महत्त्व
- **विविध विधाएं :** परिभाषा, अत:संबंध एवं अंतर (मुख्य विधाएं : निबंध, व्यंग्य, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, आत्मकथा, जीवनी एवं डायरी)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **निबंध** : नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- **व्यंग्य** : विकलांग श्रद्धा का दौरा : हरिशंकर परसाई

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **संस्मरण** : तीस बरस का साथी : रामविलास शर्मा - अमृतलाल नागर
- **रेखाचित्र** : प्रथम भेंट : अंतिम भेंट : महादेवी वर्मा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **यात्रा-वृत्तांत** : सागर कन्या : खग शावक : अज्ञेय
- **आत्मकथा** : रे मन जाह, जहां तोहि भावे (कस्तूरी कुंडली बसै - पहला अध्याय) : मैत्रेयी पुष्पा

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	20		60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य : प्रकृति और रचना संदर्भ, डॉ रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएं, कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार, डॉ हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी का कथेतर गद्य परम्परा और प्रयोग, सं. दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन
7. हिन्दी साहित्य का कथेतर गद्य-सर्जना, डॉ सुनील विक्रम सिंह, नमन प्रकाशन
8. कथेतर, सं. माधव हाड़ा, साहित्य अकादेमी प्रकाशन